SARDAR PATEL UNIVERSITY
VallabhVidyanagar, Gujarat
(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.11)
Syllabus with effect from the Academic Year 2025-26

B.A. (Hindi) Semester -VI

| Course Code | UA06MAHIN01 | Title of the Course | प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग-2 |
|---|---|---|---|
| Total Credits of the Course | 04 | Hours per Week | 04 |

| | |
|---|---|
| Course Objectives | 1. ‘भ्रमरगीत सार’: संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (प्रकाशन: कृष्णदास पोडवाल एंड कंपनी बनारस)<br>2. ‘रीतिकाव्य संग्रह’ बिहारी के दोहे, संपादक: विजयपाल सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद) |

| Course Content | | |
|---|---|---|
| Unit | **1.** | Weightage*(%) |
| 1. | सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व | 25 |
| 2. | भ्रमरगीत सार का काव्य सौंदर्य | |
| 3. | भ्रमरगीत सार का कथानक | |
| 4. | भ्रमरगीत में प्रकृति वर्णन | |
| Unit | 2. | 25 |
| 1. | भ्रमरगीत सार में गोपियों के विरह की मार्मिकता | |
| 2. | भ्रमरगीत सार एक उपालम्भ काव्य | |
| 3. | भ्रमरगीत सार में ज्ञान पर प्रेम की विजय | |
| 4. | संदर्भ | |
| Unit | 3. | 25 |
| 1. | बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व | |
| 2. | सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान | |
| 3. | बिहारी का संयोग श्रुगारवर्णन | |
| 4. | बिहारी का वियोग श्रुगारवर्णन | |
| Unit | 4. | 25 |
| 1. | बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ | |
| 2. | बिहारी का जीवनदर्शन | |
| 3. | रीतिकालीन कवियों में बिहारी का स्थान | |
| 4. | संदर्भ | |

| | |
|---|---|
| Teaching-Assignments, Learning | Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology |

| Evaluation Pattern | | |
|---|---|---|
| Sr. No. | Details of the Evaluation | Weightage |
| 1. | Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3) | 15% |
| 2. | Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3) | 15% |
| 3. | University Examination | 70% |

| Course Outcomes:<br>Having completed this course, the learner will be able to | |
|---|---|
| | ➢ प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन के क्रम में, भक्तिकालीन कवि सूरदास और रीतिकालीन कवि बिहारी के काव्य का अध्ययन भक्तिकाल व रीतिकाल की सृजनमूलक चेतना से रूबरू कराकर, उन दोनों कवियों की रचनाधर्मिता को समज़ने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है\| वस्तुपक्ष एवं कलापक्ष की द्रष्टि से समृद्ध माने जाने वाले भक्तिकाव्य और रीतिकाव्य का प्रतिनिधित्व करते हुएयह पाठ्यविषय अध्येता को युगीन प्रवाहों आदि की भी जानकारी प्रदान करता है \| |

| Suggested References: | |
|---|---|
| Sr No | References |
| 1. | मध्यकालीन काव्य-कुमार एवं श्रीवास्तव |
| 2. | मध्यकालीन काव्य- डॉ.दिलीप मेहरा |
| 3 | मध्युगीन भक्ति काव्य के विचारपक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन-डॉ.शिवप्रसाद शुक्ल |
| 4 | कबीर मीमांसा- डॉ.रामचंद्र तिवारी |
| 5. | भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य- सत्येन्द्र परिक |
| 6. | रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना- डॉ.बच्चन सिंह |
| 7. | हिन्दी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल |
| 8. | हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र |
| 9. | सूरदास - आ. शुक्ल |
| 10. | संक्षिप्त बिहारी - डॉ. नगेन्द्र |
| 11. | - |
| On-line resources to be used if available as reference material | |
| On-line Resources | |
| Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica | |

SARDAR PATEL UNIVERSITY
Vallabh Vidyanagar, Gujarat
(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.11)
Syllabus with effect from the Academic Year 2025-26
B.A. (Hindi) Semester -VI

| Course Code | UA06MAHIN02 | Title of the Course | भारतीय साहित्य सिद्धांत हिन्दी आकलोचना |
|---|---|---|---|
| Total Credits of the Course | 04 | Hours per Week | 04 |

| Course Content | | |
|---|---|---|
| Unit | **1.** | Weightage*(%) |
| 1. | काव्य लक्षण, | 25 |
| 2. | काव्य हेतु | |
| 3. | काव्य के प्रकार | |
| 4. | काव्य प्रयोजन | |
| Unit | 2. | 25 |
| 1. | काव्य गुण,काव्य दोष | |
| 2. | शब्द शक्ति की परिभाषा एवं अर्थ | |
| 3. | अभिधा, लक्षणा शब्द शक्ति, | |
| 4. | व्यंजना शब्द शक्ति | |
| Unit | 3. | 25 |
| 1. | भरत का रस सूत्र | |
| 2. | काव्य के विविध संप्रदायों का सामान्य परिचय | |
| 3. | छंद की परिभाषा छंद के भेद | |
| 4. | अलंकार | |
| Unit | 4. | 25 |
| 1. | हिन्दी आलोचना का उदद्भव और विकास | |
| 2. | आचार्य रामचन्द्रशुक्ल | |
| 3. | आचार्य नंददुलारे बाजपेयी | |
| 4. | डॉ। शिवकुमार मिश्र | |

| Teaching-Assignments, Learning | Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology |
|---|---|

| Evaluation Pattern | | |
|---|---|---|
| Sr. No. | Details of the Evaluation | Weightage |
| 1. | Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| 2. | Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| 3. | University Examination | 50% |

| Course Outcomes:<br>Having completed this course, the learner will be able to |
|---|
| ➢ कव्यशाश्त्रीय परंपरा के क्रम में, ‘भारतीय साहित्य सिद्धांत और हिन्दी आलोचना’विषयक पाठ्यक्रम विभिन्न भारतीय काव्य-सम्प्रदायों का परिचय प्रस्तुत करते हुए, काव्यशाश्त्रीय सिद्धांतो का उजागरीकरण करता है\| साथ ही, हिन्दी आलोचना से सम्बन्ध प्रमुख चुनिन्दा आलोचकों की समीक्षा द्रष्टि को भी प्रस्तुत करता है\| अध्येता के बौद्धिक विकास व तर्क क्षमता के उन्नयन केलिए यह उपयुक्त है\| |

| Suggested References: | |
|---|---|
| Sr No | References |
| 1. | भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. भगीरथ मिश्र |
| 2. | साहित्यलोचन डॉ. श्यामसुंदरदास |
| 3 | काव्य के रूप -बाबू गुलाबराय |
| 4 | काव्य प्रदीप- रामबिहारी शुक्ल |
| 5. | काव्य परिचय- राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव |
| 6. | साहित्यशाश्त्र- डॉ.ओमप्रकाश गुप्त, डॉ.गोवर्धन बंजारा |
| 7. | भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशाश्त्र- डॉ.तुलसीभाई पटेल |
| 8. | हिन्दी आलोचना और यथार्थवाद - डॉ. त्रिभुवन सिंह |
| 9. | - |
| 10. | - |
| 11. | - |
| On-line resources to be used if available as reference material | |
| On-line Resources | |
| Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica | |

SARDAR PATEL UNIVERSITY
VallabhVidyanagar, Gujarat
(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.11)
Syllabus with effect from the Academic Year 2025-26
B.A. (Hindi) Semester -VI

| Course Code | UA06MAHIN03 | Title of the Course | भारतीय लोक साहित्य |
|---|---|---|---|
| Total Credits of the Course | 04 | Hours per Week | 04 |

| Course Content | | |
|---|---|---|
| Unit | **1.** | Weightage*(%) |
| 1. | लोक साहित्य का अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएँ | 25 |
| 2. | लोकनाट्य का अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएँ | |
| 3. | लोकनाट्य का संक्षिप्त परिचय | |
| 4. | लोकनाट्य - भवाई, माच, नौटंकी रामलीला, रासलीला | |
| Unit | 2. | 25 |
| 1. | लोकगीत का अर्थ स्वरुप एवं परिभाषा | |
| 2. | लोकगीत के विविध प्रकार | |
| 3. | संस्कार गीत, विवाह गीत | |
| 4. | उत्सव संबंधी गीत | |
| Unit | 3. | 25 |
| 1. | लोकवार्ता : अर्थ, परिभाषा, सवरूप, उत्पति | |
| 2. | भरथरी, | |
| 3. | गोपीचंद | |
| 4. | ढोलामारू | |
| Unit | 4. | 25 |
| 1. | लोककथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप | |
| 2. | व्रतकथा, | |
| 3. | नागकथा | |
| 4. | परिकथा | |

| Teaching-Assignments, Learning | Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology |
|---|---|

| Evaluation Pattern | | |
|---|---|---|
| Sr. No. | Details of the Evaluation | Weightage |
| 1. | Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| 2. | Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| 3. | University Examination | 50% |

| Course Outcomes:<br>Having completed this course, the learner will be able to |
|---|
| ➢ भाषा -संरचना व भाषिक - विश्लेषण तथा भाषिक औचित्य के लिए व्याकरण की सुजबुज़ अनिवार्य है \|हिन्दी व्याकरण पर केन्द्रित यह पाठ्य वस्तु हिन्दी भाषा प्रयुक्तियों के लिए अपेक्षित व्याकरणिक आधार उपलब्ध कराती है, जिसमे हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण,अव्यय, कारक, वाच्य, वर्ण, वचन, लिंग, समास, विभक्ति, कृदंत, उपसर्ग, प्रत्यय, आदि का समावेश होता है \| भाषिक सटीकता,सज्जता, भाषिक औचित्य, भाषा-प्रयुक्ति हेतु यह आवश्यक भी है \| |

| Suggested References: | |
|---|---|
| Sr No | References |
| 1. | लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग -डॉ. श्रीराम शर्मा |
| 2. | आधुनिक हिन्दी नाटकों में लोकनाट्य का प्रभाव -डॉ नीना शर्मा |
| 3 | लोक साहित्य और संस्कृति -दिनेश्वेर प्रसाद |
| 4 | लोक साहित्य -द्विजराम यादव |
| 5. | - |
| 6. | - |
| 7. | - |
| 8. | - |
| 9. | - |
| 10. | - |
| 11. | - |
| On-line resources to be used if available as reference material | |
| On-line Resources | |
| Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica | |

SARDAR PATEL UNIVERSITY
Vallabh Vidyanagar, Gujarat
(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.11)
Syllabus with effect from the Academic Year 2025-26
B.A. (Hindi) Semester -VI

| | | | |
|---|---|---|---|
| Course Code | UA06MIHIN01 | Title of the Course | पत्रकारिता-2 |
| Total Credits of the Course | 04 | Hours per Week | 04 |

| Course Content | | |
|---|---|---|
| Unit | **1.** | Weightage*(%) |
| 1. | इलेक्ट्रोनिक मीडिया की परिभाषा और विशेषताएँ | 25 |
| 2. | रेडियो का अर्थ एवं महत्व | |
| 3. | रेडियो कार्यक्रम के प्रकार | |
| 4. | रेडियो उद्घोषक के गुण | |
| Unit | 2. | 25 |
| 1. | टेलीविज़न का अर्थ एवं महत्व | |
| 2. | टेलीविज़न चेनलों का परिचय | |
| 3. | टेलीविज़न एंकर के गुण | |
| 4. | टेलीविज़न धारावाहिक लेखन की प्रक्रिया | |
| Unit | 3. | 25 |
| 1. | विज्ञापन का अर्थ एवं महत्व | |
| 2. | विज्ञापन की प्रक्रिया | |
| 3. | विज्ञापन के प्रकार | |
| 4. | विज्ञापन में करियर | |
| Unit | 4. | 25 |
| 1. | इंटरनेट का महत्व | |
| 2. | वोट्सअप | |
| 3. | फेसबुक | |
| 4. | इन्स्टाग्राम | |

| | |
|---|---|
| Teaching-Assignments, Learning | Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology |

| Evaluation Pattern | |
|---|---|
| Details of the Evaluation | Weightage |
| Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3) | 25% |
| University Examination | 50% |

| Course Outcomes:<br>Having completed this course, the learner will be able to |
|---|
| 1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की समझ: विद्यार्थी रेडियो, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया जैसे विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म की प्रकृति, संरचना और कार्यप्रणाली को समझ पाएंगे।<br>2. न्यूज़ प्रोडक्शन में दक्षता: छात्र न्यूज़रूम की कार्यप्रणाली, समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, एंकरिंग और स्क्रिप्ट लेखन की तकनीकों में दक्ष हो जाएंगे। |

| Suggested References: | |
|---|---|
| Sr No | References |
| 1. | प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे |
| 2. | प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल ज़ालटे |
| 3 | प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिद्रश्य - रमेशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल |
| 4 | प्रयोजनमूलक हिन्दी- बलजिंदर रंधवा, कौशल पाण्डेय |
| 5. | प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. नाथूराम देसाई |
| 6. | व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. माखनलाल शर्मा |
| 7. | प्रशासनिक हिन्दी - पुष्पाकुमारी |
| 8. | व्यावसायिक हिन्दी - डॉ.पुष्कर सिंह |
| 9. | - |
| 10. | - |
| 11. | - |
| On-line resources to be used if available as reference material | |
| On-line Resources | |
| Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica | |

SARDAR PATEL UNIVERSITY
VallabhVidyanagar, Gujarat
(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.11)
Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

| | | | |
|---|---|---|---|
| Course Code | UA06AEHIN01 | Title of the Course | **हिन्दी भाषा और संप्रेषण** |
| Total Credits of the Course | 02 | Hours per Week | 02 |

| Course Content | | |
|---|---|---|
| Unit | **1.** | Weightage*(%) |
| 1. | भाषा का स्वरूप और उपयोग | 25 |
| 2. | हिन्दी भाषा की विशेषताएँ और उपयोगिता | |
| 3. | संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित | |
| 4. | संवाद लेखन- दैनिक जीवन की स्थितियों पर आधारित | |
| Unit | 2 | 25 |
| 1. | अनुच्छेद लेखन | |
| 2. | पत्र लेखन –औपचारिक एवं अनौपचारिक | |
| 3. | मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वाक्य प्रयोग | |
| 4. | सामाजिक –समसामयिक विषयों पर लघु निबंध | |

| | |
|---|---|
| Teaching-Assignments, Learning | Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology |

| Evaluation Pattern | | |
|---|---|---|
| Sr. No. | Details of the Evaluation | Weightage |
| 1. | Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3) | 15% |
| 2. | Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3) | 15% |
| 3. | University Examination | 70% |

Course Outcomes:
Having completed this course, the learner will be able to

**1. भाषा की समझ:**

- छात्र हिंदी भाषा की मूलभूत संरचना, स्वरूप एवं प्रयोग में दक्षता प्राप्त करेंगे।

**2. संप्रेषण कौशल में वृद्धि:**

- छात्र मौखिक और लिखित संप्रेषण में सुधार करेंगे तथा औपचारिक एवं अनौपचारिक संदर्भों में प्रभावी संवाद स्थापित कर सकेंगे।

**3. व्यावसायिक लेखन क्षमता:**

- रिपोर्ट, आवेदन, सूचना, ईमेल, विज्ञापन आदि व्यावसायिक लेखन के विभिन्न रूपों में दक्षता प्राप्त होगी।

| | |
|---|---|
| | **4. रचनात्मक लेखन कौशल:**<br>छात्र निबंध, अनुच्छेद, संवाद, एवं पत्र लेखन जैसे रचनात्मक लेखन के रूपों में अभ्यास प्राप्त करेंगे।<br>**5. भाषिक अभिव्यक्ति की सटीकता:**<br>➢ छात्र वाक्य विन्यास, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि के माध्यम से सटीक एवं प्रभावशाली भाषा प्रयोग करना सीखेंगे।<br>**6. आत्मविश्वास एवं प्रस्तुति कौशल:**<br>➢ समूह चर्चा, संवाद-अभ्यास और मौखिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों में आत्मविश्वास और प्रस्तुति क्षमता का विकास होगा। |

| Suggested References: | |
|---|---|
| Sr No | References |
| 1. | प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे |
| 2. | प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. दंगल ज़ालटे |
| 3 | प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिद्रश्य – रमेशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल |
| 4 | प्रयोजनमूलक हिन्दी- बलजिंदर रंधवा, कौशल पाण्डेय |
| 5. | प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. नाथूराम देसाई |
| 6. | व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. माखनलाल शर्मा |
| 7. | प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पाकुमारी |
| 8. | व्यावसायिक हिन्दी – डॉ.पुष्कर सिंह |
| 9. | - |
| 10. | - |
| 11. | - |
| On-line resources to be used if available as reference material | |
| On-line Resources | |
| Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica | |

**SARDAR PATEL UNIVERSITY**
**Vallabh Vidhyanagar, Gujarat**
**(Reaccredited with ‘A’ Grade NAAC (CGPA 3.11)**
**Syllabus with effect from the Academic Year 2025-26(NEP 2020)**
**B. A. Semester -6**
**Functional Hindi**
**आधार : सहायक सन्दर्भ ग्रंथ**

| Course<br>UA06MIFHI01 | हिंदी विज्ञापन |
|---|---|

| युनिट | | पाठ्यक्रम | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| १ | १ | मीडिया और विज्ञापन | २५% |
| | २ | मीडिया के विभिन्न प्रकारों में विज्ञापन | |
| | ३ | विज्ञापन की परिभाषा और स्वरुप | |
| | ४ | हिंदी विज्ञापन का परिचय | |
| २ | १ | हिंदी विज्ञापन का इतिहास | २५% |
| | २ | प्रमुख हिंदी विज्ञापन अभियानों का अध्ययन।\ | |
| | ३ | हिंदी विज्ञापन के क्षेत्र - उपभोक्ता वस्त्र, सेवा क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थाएँ, सामाजिक संदेश इत्यादि। # | |
| | ४ | हिंदी विज्ञापन का उदेश्य | |
| ३ | १ | हिंदी विज्ञापन की संरचना और शैली | २५% |
| | २ | विज्ञापन के मुख्य घटक : शीर्षक, टैगलाइन, संदेश, चित्र और ब्रांड नाम | |
| | ३ | विज्ञापन में हिंदी भाषा की शक्ति और उसकी सादगी। | |
| | ४ | स्थानीय भाषाओं और हिंदी के मिश्रण का उपयोग। | |
| ४ | १ | विज्ञापन के प्रकार : दृश्य, श्रव्य, डिजिटल, प्रिंट विज्ञापन में हिंदी का प्रयोग | २५% |
| | २ | हिंदी विज्ञापन के समक्ष चुनौतियाँ | |
| | ३ | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हिंदी विज्ञापन का भविष्य | |
| | ४ | हिंदी विज्ञापन में केरियर | |

## ✓ Course Objectives

1. विज्ञापन द्वारा छात्रों को उत्पादों की जानकारी प्राप्त होती है औरन उपभोक्ताओं को शिक्षित भी करता है |
2. छात्रों को हिंदी विज्ञापन की बारीकियों, संरचना, शैली और उसके समाजिक एवं आर्थिक प्रभावों को समझने में मदद करेगा |
3. छात्रों को किसी कंपनी या सेवा के लिए एक हिंदी विज्ञापन अभियान या प्रोजेक्ट तैयार करने का कार्य करने में सहायक सिद्ध होगा |
4. विज्ञापन के करियर के क्षेत्र में आवश्यक लेखन कला और कौशल प्राप्त हो सकेगा |

## सन्दर्भ ग्रंथ सूचि :


1. विज्ञापन कला और विज्ञान - सुभाष कुमार
2. विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार" - डॉ. अरुण कुमार
3. हिंदी में विज्ञापन लेखन - रत्ना प्रकाशन
4. विज्ञापन और जनसंचार" - सुधीर सक्सेना
5. विज्ञापन की भाषा - डॉ. आनंद कुमार
6. 'हिन्दुस्तान', 'दैनिक जागरण' जैसे हिंदी समाचार पत्र
7. समकालीन जनसंचार जैसी पत्रिकाएँ


इसके उपरान्त सोशल मीडिया और डिजिटल विज्ञापन पोर्टल्स,: हिंदी डिजिटल विज्ञापन और सोशल मीडिया विज्ञापन पर विशेष जानकारी प्रदान करने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म्स पर उपलब्ध विज्ञापनों का विश्लेषण भी उपयोगी हो सकता है |